भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 129

19 जुलाई, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादों की कीमत

129. श्री संजय जाधव:
श्रीमती भावना गवली (पाटील):
श्री हेमन्त पाटिल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में इस्पात उत्पादक कंपनियों ने गत दो वर्षों के दौरान अपने उत्पादों की कीमतों में कई बार वृद्धि की है और यदि हाँ, तो प्रत्येक उत्पाद में की गई वृद्धि की मात्रा का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने हाल ही में छूट की दर कम की है और इससे कीमतें प्रभावित हुई हैं;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार कोई ठोस कदम उठा रही है ताकि कीमतों में वृद्धि से आम लोग प्रभावित न हों?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) से (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, जहाँ कीमतें माँग एवं पूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल की कीमत में रुझानों, लॉजिस्टिक लागत, बिजली एवं ईंधन लागत आदि से निर्धारित होती हैं। बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के उद्देश्य से, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ बाजार के रुझानों के अनुरूप इस्पात की कीमत निर्धारित करना, कटौती/छूट जैसे वाणिज्यिक निर्णय लेती हैं। पिछले दो वर्ष यानि 2019-20 और 2020-21 के दौरान लौह एवं इस्पात के मुख्य मदों की बाजार की कीमत (खुदरा) का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(घ): सरकार ने इस्पात की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ लौह अयस्क के उत्पादन उपलब्धता में वृद्धि करने के लिए खनन और खनिज नीति में सुधार, राज्य और केन्द्रीय पीएसयू आदि द्वारा ओडिशा के समपहृत (फोरफिटेड) कार्यशील खानों का शीघ्र प्रचालन और इस्पात उत्पादकों द्वारा उत्पादन और क्षमता उपयोग को बढ़ाना शामिल है। केन्द्रीय बजट 2021-22 में, सेमिज, नॉन-अलॉय, अलॉय और स्टेनलेस स्टील के फ्लैट और लॉन्ग उत्पादों में सीमा शुल्क को समान रूप से 7.5% तक कम किया गया है। इसके अलावा, धातु पुनर्चक्रणकर्ता, खासकर एमएसएमई को राहत पहुँचाने के लिए इस्पात के स्क्रैप पर 31 मार्च 2022 तक की अवधि के लिए बीसीडी में छूट दी गई है। उपर्युक्त के अलावा, कुछ इस्पात उत्पादों में एडीडी और सीवीडी को हटा दिया है/अस्थाई रूप से हटा दिया है।

****

अनुलग्नक-I

गत दो वर्षों के दौरान लौहा और इस्पात के मुख्य मदों की बाजार कीमत (खुदरा)

(कीमत ₹ प्रति टन में)

माह	एचआर क्वायल (2 एमएम)		सीआर क्वायल (0.63 एमएम)		टीएमटी (10 एमएम)		जीपी शीट्स (0.63 एमएम)	
	19-20	20-21	19-20	20-21	19-20	20-21	19-20	20-21
अप्रैल	44172	38583	50896	43854	41318	35729	55284	48941
मई	43566	38024	49540	43148	40417	35732	55309	48950
जून	42773	38343	48926	43360	39742	35934	54784	48737
जुलाई	41040	37735	45956	42883	37928	34780	53972	49102
अगस्त	39258	40307	44131	45468	37064	37523	51833	50644
सितंबर	38303	41958	42631	47415	36278	38006	50869	52343
अक्टूबर	36890	44718	41697	51324	35538	38352	49273	55244
नवंबर	36358	45462	41206	51962	35464	39398	48360	55771
दिसंबर	37765	52638	42523	58981	35381	43379	48055	61903
जनवरी	39962	59155	43242	67165	37108	50737	50657	67873
फरवरी	40900	54714	44845	63642	39021	47466	50943	64797
मार्च	39786	54983	44970	64727	36867	48655	50403	65214

*अनंतिम, स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)

*****